



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN4064	ImageGroup:	I3CN20724
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གཏེར་ཆོས། བདུད་འཛོམས་གླིང་པ། gter chos/ bdud 'joms gling pa/
Author:	བདུད་འཛོམས་གླིང་པ། bdud 'joms gling pa
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	2
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2019



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



敬啟者
本館新編
古今圖書集成
目錄
卷一百一十五
目錄



敬啟者
本館新編
古今圖書集成
目錄
卷一百一十五
目錄



[illegible]

प
प
५

ममोपपन्नसुखं ॥ कलुषविनाशसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥
निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥
निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥
निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥
निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥ निवृत्तसुखं ॥

५

[illegible]

ॐ

समस्तस्य सुखं विहाय सर्वं परमं सुखं न विद्यते ॥ १ ॥

सर्वं सुखं विहाय सर्वं परमं सुखं न विद्यते ॥ १ ॥

ॐ

सर्वं सुखं विहाय सर्वं परमं सुखं न विद्यते ॥ १ ॥



ॐ
ॐ
ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गलेसुखः - तस्यास्यपण्योदयप्रदेवमेवैवः। सुखप्रदं विदुषिणं विदुषिणम्। सुखप्रदं विदुषिणं विदुषिणम्।
 यस्यास्यविदुषिणं विदुषिणम्। सुखप्रदं विदुषिणं विदुषिणम्। सुखप्रदं विदुषिणं विदुषिणम्।
 विदुषिणं विदुषिणम्। सुखप्रदं विदुषिणं विदुषिणम्। सुखप्रदं विदुषिणं विदुषिणम्।
 यस्यास्यविदुषिणं विदुषिणम्। सुखप्रदं विदुषिणं विदुषिणम्। सुखप्रदं विदुषिणं विदुषिणम्।
 सुखप्रदं विदुषिणं विदुषिणम्। सुखप्रदं विदुषिणं विदुषिणम्। सुखप्रदं विदुषिणं विदुषिणम्।



दशरथः

सर्वप्रथम, संस्कृत भाषा में लिखित है।

卷之四
 四庫全書

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

19

ལྷོ་བའི་དུས་ལ་ཕྱུང་།

महाराष्ट्र राज्य सरकार

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

समाकेतपरिचय

॥ अथ शिवस्यैकैकं ॥

3. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

५१

पुस्तक संख्या २७५६

सुप्रसन्नः ॥ १ ॥

प्राक्पक्षेऽपि नान्यथा

५०५८२ वायुसामान्यविषयकअध्यायः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

अथर्ववेदः

。 。

हस्त्यादिविषया निद्रया मृतमपि च

मन्त्रोदयः ॥ १ ॥

1954年12月27日

७५१० अमृतमण्डप

2007年12月27日

दयादयस्यैः ॥ १॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

19

[illegible]

[illegible]

[The following text is a highly degraded scan of a manuscript page, likely from a Sanskrit or Indic script. It consists of approximately 10 horizontal lines of text, which are extremely faint and difficult to decipher. The text appears to be a continuous passage, possibly a chapter or section heading followed by descriptive prose. Due to the poor quality of the image, specific words cannot be reliably transcribed.]

[illegible]

१ ॐ २
 ३ ॐ ३
 ४ ॐ ४
 ५ ॐ ५
 ६ ॐ ६
 ७ ॐ ७
 ८ ॐ ८
 ९ ॐ ९
 १० ॐ १०
 ११ ॐ ११
 १२ ॐ १२
 १३ ॐ १३
 १४ ॐ १४
 १५ ॐ १५
 १६ ॐ १६
 १७ ॐ १७
 १८ ॐ १८
 १९ ॐ १९
 २० ॐ २०
 २१ ॐ २१
 २२ ॐ २२
 २३ ॐ २३
 २४ ॐ २४
 २५ ॐ २५
 २६ ॐ २६
 २७ ॐ २७
 २८ ॐ २८
 २९ ॐ २९
 ३० ॐ ३०
 ३१ ॐ ३१
 ३२ ॐ ३२
 ३३ ॐ ३३
 ३४ ॐ ३४
 ३५ ॐ ३५
 ३६ ॐ ३६
 ३७ ॐ ३७
 ३८ ॐ ३८
 ३९ ॐ ३९
 ४० ॐ ४०
 ४१ ॐ ४१
 ४२ ॐ ४२
 ४३ ॐ ४३
 ४४ ॐ ४४
 ४५ ॐ ४५
 ४६ ॐ ४६
 ४७ ॐ ४७
 ४८ ॐ ४८
 ४९ ॐ ४९
 ५० ॐ ५०
 ५१ ॐ ५१
 ५२ ॐ ५२
 ५३ ॐ ५३
 ५४ ॐ ५४
 ५५ ॐ ५५
 ५६ ॐ ५६
 ५७ ॐ ५७
 ५८ ॐ ५८
 ५९ ॐ ५९
 ६० ॐ ६०
 ६१ ॐ ६१
 ६२ ॐ ६२
 ६३ ॐ ६३
 ६४ ॐ ६४
 ६५ ॐ ६५
 ६६ ॐ ६६
 ६७ ॐ ६७
 ६८ ॐ ६८
 ६९ ॐ ६९
 ७० ॐ ७०
 ७१ ॐ ७१
 ७२ ॐ ७२
 ७३ ॐ ७३
 ७४ ॐ ७४
 ७५ ॐ ७५
 ७६ ॐ ७६
 ७७ ॐ ७७
 ७८ ॐ ७८
 ७९ ॐ ७९
 ८० ॐ ८०
 ८१ ॐ ८१
 ८२ ॐ ८२
 ८३ ॐ ८३
 ८४ ॐ ८४
 ८५ ॐ ८५
 ८६ ॐ ८६
 ८७ ॐ ८७
 ८८ ॐ ८८
 ८९ ॐ ८९
 ९० ॐ ९०
 ९१ ॐ ९१
 ९२ ॐ ९२
 ९३ ॐ ९३
 ९४ ॐ ९४
 ९५ ॐ ९५
 ९६ ॐ ९६
 ९७ ॐ ९७
 ९८ ॐ ९८
 ९९ ॐ ९९
 १०० ॐ १००

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Figure 1

19

15

25

10

10

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之六

9

[illegible]

[illegible]

4

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥
केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥
केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥
केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥
केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥ केशवभक्तप्रसादः ॥

[illegible]

[illegible]



Handwritten text at the top of the page, possibly a title or header, including the word "Lectura".

Handwritten text in the first column, possibly a list or index.	Handwritten text in the second column, possibly a list or index.
---	--

Handwritten text at the bottom of the page, possibly a footer or concluding remarks.

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to contain several lines of handwritten script, possibly in Devanagari or a similar Indic script.]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]



१२

四

NEW

15



10

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

यस्यैवमस्मिन्महाकुम्भेनोपपन्नः ॥ १ ॥
यस्यैवमस्मिन्महाकुम्भेनोपपन्नः ॥ २ ॥
यस्यैवमस्मिन्महाकुम्भेनोपपन्नः ॥ ३ ॥
यस्यैवमस्मिन्महाकुम्भेनोपपन्नः ॥ ४ ॥
यस्यैवमस्मिन्महाकुम्भेनोपपन्नः ॥ ५ ॥
यस्यैवमस्मिन्महाकुम्भेनोपपन्नः ॥ ६ ॥
यस्यैवमस्मिन्महाकुम्भेनोपपन्नः ॥ ७ ॥
यस्यैवमस्मिन्महाकुम्भेनोपपन्नः ॥ ८ ॥
यस्यैवमस्मिन्महाकुम्भेनोपपन्नः ॥ ९ ॥
यस्यैवमस्मिन्महाकुम्भेनोपपन्नः ॥ १० ॥

五

1997

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

19

Figure 1

2



1994



संस्कृत-संज्ञा-सूची

OFFICE

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

११६ ११६ ११६

A black and white photograph showing a large, dense pile of debris, possibly wreckage or rubble, with a dark, irregular shape in the foreground. The debris is scattered across a light-colored surface, and the overall scene suggests a site of investigation or destruction.

1892

1892

1892

1892

1892

1892

1892

1892

1892

1892

1892

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]



四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

संस्कृत-विभाग

1



ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥



12



20

Figure 1

पञ्चमः विष्णुः पञ्चमः

[illegible]

संयुक्त

1. Preparation of the sample

भारतवासी

संस्कृत-संस्कृत

संस्कृत-भाषा-विभाग

1990

1990

1999

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

५२० विष्णुविश्वकोषम्

ये चरित्रादिः ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1875

10/10/2012

सुप्रसन्नः

पौर्णमासी: अश्विनी, मृगशिरा, पुष्य, कर्क

1. *Chlorophyll a* (Chl a)

2539 95020425

2007年12月15日

ATTACHED TO

पञ्चमः परिच्छेदः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

SECRET

1. **प्रमाणित** : प्रमाणित

AND TO THE LATTER DAY

सुखं भवति तदा नान्यथा विचारः

गन्धर्वनाथपुत्रिपुत्रोऽपि यथावत्

[illegible]

संस्कृत-विद्यापीठ, मुंबई

STREPTOCOCCUS

210-220-10000

--	--

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

100

100

11

[illegible]



10



22

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཤོག་གྲངས་4པ་ཆད།

missing page



[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्याय ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां श्रुत्वा पाशपतौ हरेः ॥
 वीराणां स्य सर्वेषां प्रवृत्तिरानवस्थिता ॥
 विद्महे धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥

104



[illegible]

(Faint handwritten text at the bottom of the page)

64

1994

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



Figure 1



25

[illegible]

受

(The following text is highly degraded and mostly illegible due to severe blurring and noise.)



ॐ

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥



2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीभगवानुवाच ॥
 द्रष्टव्यं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥
 तदा संजय उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रा-
 नकुलश्रेष्ठ बभूवुर्बह्वीरवस्तदा ॥
 आचार्यमुपसंगम्य राजा वीर्यवान् ॥
 पश्यन् सर्वपाण्डुकुलजान् पुत्रवानुमा ॥
 १ ॥

[illegible]

५४

५५

५६

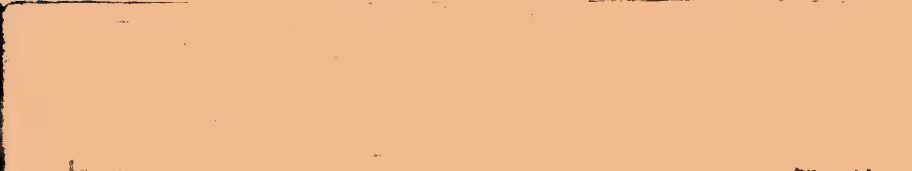
५४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ५५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ५६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

10

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

व्यापः इत्यपि दक्षु यथापह्नेकः सर्वेदमपि मोक्षस्य अद्वयमस्योदितः एवमपि विमलमदमममपि विमलः अथापि यथापह्नेकः
देवस्योदितः यतः यो देवस्योदितः देवस्योदितः देवस्योदितः देवस्योदितः देवस्योदितः देवस्योदितः देवस्योदितः देवस्योदितः
यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः
यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः
यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः
यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः यथापह्नेकः



[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO





93

ཆེན་མོ་འཕགས་པ་པའི་སྤོངས་འོད་པ་ལུ། ལམ་པ་འོད་པུ་མ་པའི་པ་ལྒང་པའི་ཁེ་དྲུང་མའི་པ་ལྒྱུ་པ་ལོ།

कसः गुह्यपत्रमपि प्रकाशयामासः सर्वपक्षान्पुनरपि प्रकथयः देहेत्यपि प्रकाशयामासः दण्डमपि प्रकथयः देहेत्यपि प्रकथयः = गुह्यपत्रमपि
 विदामासकथः सप्तपुत्राणां पदविप्रकाशः = अनेकपदपुनरपि विदामासकथः देहेत्यपि प्रकाशयामासः दण्डमपि प्रकथयः देहेत्यपि प्रकथयः =
 केकयापदपि = अनेकपदविप्रकाशः पञ्चपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः अष्टपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः वि
 अष्टपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः अष्टपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः अष्टपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः
 अष्टपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः अष्टपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः अष्टपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः
 अष्टपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः अष्टपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः अष्टपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः
 अष्टपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः अष्टपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः अष्टपदपि = अष्टपदपि विदामासकथः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1870
 1871
 1872
 1873
 1874
 1875
 1876
 1877
 1878
 1879
 1880
 1881
 1882
 1883
 1884
 1885
 1886
 1887
 1888
 1889
 1890
 1891
 1892
 1893
 1894
 1895
 1896
 1897
 1898
 1899
 1900
 1901
 1902
 1903
 1904
 1905
 1906
 1907
 1908
 1909
 1910
 1911
 1912
 1913
 1914
 1915
 1916
 1917
 1918
 1919
 1920
 1921
 1922
 1923
 1924
 1925
 1926
 1927
 1928
 1929
 1930
 1931
 1932
 1933
 1934
 1935
 1936
 1937
 1938
 1939
 1940
 1941
 1942
 1943
 1944
 1945
 1946
 1947
 1948
 1949
 1950
 1951
 1952
 1953
 1954
 1955
 1956
 1957
 1958
 1959
 1960
 1961
 1962
 1963
 1964
 1965
 1966
 1967
 1968
 1969
 1970
 1971
 1972
 1973
 1974
 1975
 1976
 1977
 1978
 1979
 1980
 1981
 1982
 1983
 1984
 1985
 1986
 1987
 1988
 1989
 1990
 1991
 1992
 1993
 1994
 1995
 1996
 1997
 1998
 1999
 2000
 2001
 2002
 2003
 2004
 2005
 2006
 2007
 2008
 2009
 2010
 2011
 2012
 2013
 2014
 2015
 2016
 2017
 2018
 2019
 2020
 2021
 2022
 2023
 2024
 2025
 2026
 2027
 2028
 2029
 2030
 2031
 2032
 2033
 2034
 2035
 2036
 2037
 2038
 2039
 2040
 2041
 2042
 2043
 2044
 2045
 2046
 2047
 2048
 2049
 2050
 2051
 2052
 2053
 2054
 2055
 2056
 2057
 2058
 2059
 2060
 2061
 2062
 2063
 2064
 2065
 2066
 2067
 2068
 2069
 2070
 2071
 2072
 2073
 2074
 2075
 2076
 2077
 2078
 2079
 2080
 2081
 2082
 2083
 2084
 2085
 2086
 2087
 2088
 2089
 2090
 2091
 2092
 2093
 2094
 2095
 2096
 2097
 2098
 2099
 2100
 2101
 2102
 2103
 2104
 2105
 2106
 2107
 2108
 2109
 2110
 2111
 2112
 2113
 2114
 2115
 2116
 2117
 2118
 2119
 2120
 2121
 2122
 2123
 2124
 2125
 2126
 2127
 2128
 2129
 2130
 2131
 2132
 2133
 2134
 2135
 2136
 2137
 2138
 2139
 2140
 2141
 2142
 2143
 2144
 2145
 2146
 2147
 2148
 2149
 2150
 2151
 2152
 2153
 2154
 2155
 2156
 2157
 2158
 2159
 2160
 2161
 2162
 2163
 2164
 2165
 2166
 2167
 2168
 2169
 2170
 2171
 2172
 2173
 2174
 2175
 2176
 2177
 2178
 2179
 2180
 2181
 2182
 2183
 2184
 2185
 2186
 2187
 2188
 2189
 2190
 2191
 2192
 2193
 2194
 2195
 2196
 2197
 2198
 2199
 2200
 2201
 2202
 2203
 2204
 2205
 2206
 2207
 2208
 2209
 2210
 2211
 2212
 2213
 2214
 2215
 2216
 2217
 2218
 2219
 2220
 2221
 2222
 2223
 2224
 2225
 2226
 2227
 2228
 2229
 2230
 2231
 2232
 2233
 2234
 2235
 2236
 2237
 2238
 2239
 2240
 2241
 2242
 2243
 2244
 2245
 2246
 2247
 2248
 2249
 2250
 2251
 2252
 2253
 2254
 2255
 2256
 2257
 2258
 2259
 2260
 2261
 2262
 2263
 2264
 2265
 2266
 2267
 2268
 2269
 2270
 2271
 2272
 2273
 2274
 2275
 2276
 2277
 2278
 2279
 2280
 2281
 2282
 2283
 2284
 2285
 2286
 2287
 2288
 2289
 2290
 2291
 2292
 2293
 2294
 2295
 2296
 2297
 2298
 2299
 2300
 2301
 2302
 2303
 2304
 2305
 2306
 2307
 2308
 2309
 2310
 2311
 2312
 2313
 2314
 2315
 2316
 2317
 2318
 2319
 2320
 2321
 2322
 2323
 2324

[illegible]

दशमस्कन्धः





[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]



[illegible]





[illegible]



2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

5150

503

Handwritten signature

॥ २६ ॥

2010年12月10日

NOTES

मनुष्यस्य चतुर्भुजः स्यात्

[illegible][illegible]

035347800

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1577-2014
123456789101112131415161718192021222324252627282930313233343536373839404142434445464748495051525354555657585960616263646566676869707172737475767778798081828384858687888990919293949596979899100101102103104105106107108109110111112113114115116117118119120121122123124125126127128129130131132133134135136137138139140141142143144145146147148149150151152153154155156157158159160161162163164165166167168169170171172173174175176177178179180181182183184185186187188189190191192193194195196197198199200201202203204205206207208209210211212213214215216217218219220221222223224225226227228229230231232233234235236237238239240241242243244245246247248249250251252253254255256257258259260261262263264265266267268269270271272273274275276277278279280281282283284285286287288289290291292293294295296297298299300301302303304305306307308309310311312313314315316317318319320321322323324325326327328329330331332333334335336337338339340341342343344345346347348349350351352353354355356357358359360361362363364365366367368369370371372373374375376377378379380381382383384385386387388389390391392393394395396397398399400401402403404405406407408409410411412413414415416417418419420421422423424425426427428429430431432433434435436437438439440441442443444445446447448449450451452453454455456457458459460461462463464465466467468469470471472473474475476477478479480481482483484485486487488489490491492493494495496497498499500501502503504505506507508509510511512513514515516517518519520521522523524525526527528529530531532533534535536537538539540541542543544545546547548549550551552553554555556557558559560561562563564565566567568569570571572573574575576577578579580581582583584585586587588589590591592593594595596597598599600601602603604605606607608609610611612613614615616617618619620621622623624625626627628629630631632633634635636637638639640641642643644645646647648649650651652653654655656657658659660661662663664665666667668669670671672673674675676677678679680681682683684685686687688689690691692693694695696697698699700701702703704705706707708709710711712713714715716717718719720721722723724725726727728729730731732733734735736737738739740741742743744745746747748749750751752753754755756757758759760761762763764765766767768769770771772773774775776777778779780781782783784785786787788789790791792793794795796797798799800801802803804805806807808809810811812813814815816817818819820821822823824825826827828829830831832833834835836837838839840841842843844845846847848849850851852853854855856857858859860861862863864865866867868869870871872873874875876877878879880881882883884885886887888889890891892893894895896897898899900901902903904905906907908909910911912913914915916917918919920921922923924925926927928929930931932933934935936937938939940941942943944945946947948949950951952953954955956957958959960961962963964965966967968969970971972973974975976977978979980981982983984985986987988989990991992993994995996997998999100010011002100310041005100610071008100910101011101210131014101510161017101810191020102110221023102410251026102710281029103010311032103310341035103610371038103910401041104210431044104510461047104810491050105110521053105410551056105710581059106010611062106310641065106610671068106910701071107210731074107510761077107810791080108110821083108410851086108710881089109010911092109310941095109610971098109911001101110211031104110511061107110811091110111111121113111411151116111711181119112011211122112311241125112611271128112911301131113211331134113511361137113811391140114111421143114411451146114711481149115011511152115311541155115611571158115911601161116211631164116511661167116811691170117111721173117411751176117711781179118011811182118311841185118611871188118911901191119211931194119511961197119811991200120112021203120412051206120712081209121012111212121312141215121612171218121912201221122212231224122512261227122812291230123112321233123412351236123712381239124012411242124312441245124612471248124912501251125212531254125512561257125812591260126112621263126412651266126712681269127012711272127312741275127612771278127912801281128212831284128512861287128812891290129112921293129412951296129712

[illegible][illegible][illegible]

संस्कृत-विश्वकोष

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

81
 82

[illegible]

[Faded handwritten Devanagari script]



[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

24

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]



[illegible]

2007



50

[illegible]

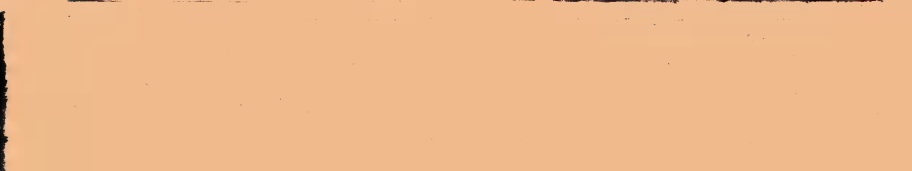
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]





मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

19

[illegible]

[illegible]



Figure 1

॥

50

3

[illegible]

		ཆོས་ཀྱི་འཕེལ་རྒྱུ་ལེགས་པར་སྒྲུབ་པའི་ལམ་སྟོན་	མཆོག་གི་འཕེལ་རྒྱུ་ལེགས་པར་སྒྲུབ་པའི་ལམ་སྟོན་	ལྷན་སྐྱེལ་ལམ་སྟོན་	ལྷན་སྐྱེལ་ལམ་སྟོན་		
---	---	---	---	---------------------------	---------------------------	--	--

625

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विषय विवरण

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥३॥

॥ ३ ॥

३६५

चिस्तीयः

५२५२५२ ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५५

74

71



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥
 संजय उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य धीमता ॥ धनुर्धराय नमः ॥ २ ॥
 पाण्डवो द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य धीमता ॥ धनुर्धराय नमः ॥ ३ ॥
 पाण्डवो द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य धीमता ॥ धनुर्धराय नमः ॥ ४ ॥
 पाण्डवो द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य धीमता ॥ धनुर्धराय नमः ॥ ५ ॥
 पाण्डवो द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य धीमता ॥ धनुर्धराय नमः ॥ ६ ॥
 पाण्डवो द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य धीमता ॥ धनुर्धराय नमः ॥ ७ ॥
 पाण्डवो द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य धीमता ॥ धनुर्धराय नमः ॥ ८ ॥
 पाण्डवो द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य धीमता ॥ धनुर्धराय नमः ॥ ९ ॥
 पाण्डवो द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य धीमता ॥ धनुर्धराय नमः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]





四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

四

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in several lines within a rectangular frame. The script is dense and appears to be from a historical period, possibly related to administrative or legal matters. The text is written in a cursive style, characteristic of older Indian manuscripts. The document is aged and shows signs of wear, including discoloration and some fading of the ink.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

三

20

五

[illegible]

2004
BANK OF AMERICA

३

॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



9

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]



3

३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ पञ्चमस्कन्धो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥

4



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ह्यब्रवीत् ॥
 कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादौ शकुनिः प्रह्लादश्च वीरवान् ॥ धर्मराजस्य च तत्र सुभिक्षास्तथा
 भीमार्जुनसमा युधि ॥ युधामन्युताविराटश्च द्रुपदः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कथं वदामि ते भगवन् ॥ अहम्भक्तिर्योगः ॥
 यत्किञ्चिद्दर्शयामास ॥ तदा मुनिर्ब्रवीत् ॥
 श्रेष्ठ ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a continuation of Sanskrit or Pali script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्याय ॥
कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां शृणु त्वमेव महात्मनः ॥
प्रशस्त्यस्मात्तु त्वमेव प्रथितः पराक्रमैर्युद्धतनुनाम् ॥

[illegible]

मन्त्रोक्तं यत्किंचिदप्युच्यते तत्तत्कालेनैव भविष्यति । अथ चन्द्रोदयः ।
चन्द्रोदयेनैव भविष्यति । अथ चन्द्रोदयः । अथ चन्द्रोदयः । अथ चन्द्रोदयः ।
अथ चन्द्रोदयः । अथ चन्द्रोदयः । अथ चन्द्रोदयः । अथ चन्द्रोदयः ।

५३	॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ सुप्रसन्नचित्तोऽयं भवति ॥	
-----------	---	---------

● 2019年10月10日



100

14



100

Figure 1

सर्वज्ञानस्य

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सुखदुःखसंसारमयः

[illegible]

2011年11月11日



पञ्चमः अथ पञ्चमः अथ पञ्चमः

इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ १८ ॥

निसरपयोः निसाधुः प्रिसयः

४५१७

三、三、三、三

[illegible]

३. धनदत्तचरितम् ॥ ३ ॥

५४६ मन्दसुखायै नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अर्थः इति आदिपञ्चमः

संख्या: तमिऴुनाडु सरकार

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

इत्युक्तं यथार्थं तस्य चोदयस्य ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

बद्धि चन्द्रिका चन्द्रिका चन्द्रिका

॥ अथ शिवसंज्ञा ॥

[illegible]

2019年12月

दुःखं दुःखं दुःखं

सुदामा

2004

2015

2025/5/28

500 5000

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of Sanskrit script.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]



२३०

हृत्पद्मस्य विष्णोः स्वर्गोऽयम् ॥ वायव्येऽप्युत्पत्तिः पूर्यते हृदि विष्णोः अपरमं पुण्यं ॥

॥ १० ॥



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100%

[illegible]

57361

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

1991

ॐ

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

[illegible]



[illegible]





ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1890

[illegible]

125 126 127

卷之四
 詩經
 卷之四
 詩經

विष्णुदेवताय नमः ॥ यथासाध्यं यथाशक्तं यथासुखं यथासुखं यथासुखं ॥ यथासाध्यं यथाशक्तं यथासुखं यथासुखं ॥ यथासाध्यं यथाशक्तं यथासुखं यथासुखं ॥ यथासाध्यं यथाशक्तं यथासुखं यथासुखं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विष्णु

विष्णुपदसुखाः वायेदुः = सर्वदुः = अन्तर्महोपरिपुष्कलकः पदः = वीक्ष्यमासपदसुखाः = विष्णुपदपदसुखाः पदसुखाः
पदः = वीक्ष्यमा = अन्तर्महोपरिपुष्कलकः पदः = वीक्ष्यमासपदसुखाः = विष्णुपदपदसुखाः पदसुखाः
पदसुखाः वायेदुः = सर्वदुः = अन्तर्महोपरिपुष्कलकः पदः = वीक्ष्यमासपदसुखाः = विष्णुपदपदसुखाः पदसुखाः
पदसुखाः वायेदुः = सर्वदुः = अन्तर्महोपरिपुष्कलकः पदः = वीक्ष्यमासपदसुखाः = विष्णुपदपदसुखाः पदसुखाः
पदसुखाः वायेदुः = सर्वदुः = अन्तर्महोपरिपुष्कलकः पदः = वीक्ष्यमासपदसुखाः = विष्णुपदपदसुखाः पदसुखाः
पदसुखाः वायेदुः = सर्वदुः = अन्तर्महोपरिपुष्कलकः पदः = वीक्ष्यमासपदसुखाः = विष्णुपदपदसुखाः पदसुखाः

[illegible]

137

40

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷一

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a continuation of the Sanskrit script from the previous block.]

[illegible]

129

50

[illegible]

705

[illegible]

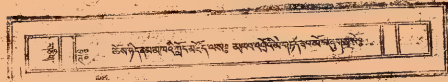
15

100

[illegible]

[illegible]





॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



120

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1980



3

[illegible]

देवदत्तपुत्रः कुरुक्षेत्रे वसन्त्ययमप्युक्तवान्भवतिः । अहं पुराणम् । सती त्वं च मया यथा । पुनरापन्नानि पुनरप्युक्तानि । अथर्ववेदविशेषः ।
 रतेषामप्ययमेवाभिहितम् । वाक्यान्तरं यद्युक्तं नृणां । मातामित्रैश्च यत्किंचित्प्रसादः । सुखदुःखसंघट्टितोऽस्मीति । अथर्ववेदविशेषः ।
 पञ्चाङ्गः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः ।
 अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः ।
 अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः ।
 अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः । अथर्ववेदविशेषः ।

[illegible]

59



[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.)

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of Sanskrit script.]

10

[illegible]

五

[illegible]

卷之六

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

三

[illegible]

4

20

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



Figure 1

54

५५३१००

॥ अथ कथं भवेत् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

16

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

13

[illegible]

१५३४

5813

११५३६०७

10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥	॥ श्रीगणेशाय नमः ॥	॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
--------------------	--------------------	--------------------



[illegible]

[illegible]



[illegible]

विष्णुसहस्रनाम

2

ॐ

ॐ

कञ्जिकमयपञ्चमहपुत्रः मापपञ्चमहपुत्रमिषिषपञ्चमहपुत्रमपेपञ्चमहपुत्रम् ॐ

ॐ

1592

[illegible]

[illegible]

[illegible]





ॐ

हेल्लो दक्षमयपेगुदमहेदपयः व्यावपयः हेल्लोदक्षमयपेगुदमयपयः

ॐ





7

[illegible]

卷之四

५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०

५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०

[illegible]

[illegible]



10

Figure 1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

123

[illegible]

[illegible]

五

15

[illegible]

(The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.)

सुभा लेगलसुभायेः विषयस्योपेयपरमसुः विषयस्यवदेयदेवमाविष्यसुः पदसुः अदयेगपदुः विषयस्यवदेयदेवमाविष्यसुः
 रदगलुदसुः देवमस्योपेयसुगलसुभायेः सुदेवमाविष्यसुः अदयेगपदुः अदयेगपदुः विषयस्यवदेयदेवमाविष्यसुः
 सुभादेवमाविष्यसुः अदयेगपदुः अदयेगपदुः अदयेगपदुः अदयेगपदुः अदयेगपदुः अदयेगपदुः अदयेगपदुः अदयेगपदुः

३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कथं वा सत्यं तद्वदन्त्येवमस्मिन् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

		 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥		
---	--	--	--	--

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

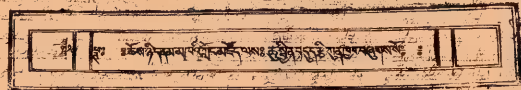
[illegible]

[illegible]

[illegible]

— 100 —





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]



1990

शिवगणेशपुत्रकुलसंस्थः

सत्यमेव जयते

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

केसवोत्तुअभाउडाआयमार्शपावेपनपरइहेविज्ञापयेगुदमाथप्रवासायः॥

॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥

[illegible][illegible]

॥ अथ ह्येवमुक्त्वा श्रीकृष्ण उवाच ॥



1999

[illegible]

[illegible]

100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631
 632
 633
 634
 635
 636
 637
 638
 639
 640
 641
 642
 643
 644
 645
 646
 647
 648
 649
 650
 651
 652
 653
 654
 655
 656
 657
 658
 659
 660
 661
 662
 663
 664
 665
 666
 667
 668
 669
 670
 671
 672
 673
 674
 675
 676
 677
 678
 679
 680
 681
 682
 683
 684
 685
 686
 687
 688
 689
 690
 691
 692
 693
 694
 695
 696
 697
 698
 699
 700
 701
 702
 703
 704
 705
 706
 707
 708
 709
 710
 711
 712
 713
 714
 715
 716
 717
 718
 719
 720
 721
 722
 723
 724
 725
 726
 727
 728
 729
 730
 731
 732
 733
 734
 735
 736
 737
 738
 739
 740
 741
 742
 743
 744
 745
 746
 747
 748
 749
 750
 751
 752
 753
 754
 755
 756
 757
 758
 759
 760
 761
 762
 763
 764
 765
 766
 767
 768
 769
 770
 771
 772
 773
 774
 775
 776
 777
 778
 779
 780
 781
 782
 783
 784
 785
 786
 787
 788
 789
 790
 791
 792
 793
 794
 795
 796
 797
 798
 799
 800
 801
 802
 803
 804
 805
 806
 807
 808
 809
 810
 811
 812
 813
 814
 815
 816
 817
 818
 819
 820
 821
 822
 823
 824
 825
 826
 827
 828
 829
 830
 831
 832
 833
 834
 835
 836
 837
 838
 839
 840
 841
 842
 843
 844
 845
 846
 847
 848
 849
 850
 851
 852
 853
 854
 855
 856
 857
 858
 859
 860
 861
 862
 863
 864
 865
 866
 867
 868
 869
 870
 871
 872
 873
 874
 875
 876
 877
 878
 879
 880
 881
 882
 883
 884
 885
 886
 887
 888
 889
 890
 891
 892
 893
 894
 895
 896
 897
 898
 899
 900
 901
 902
 903
 904
 905
 906
 907
 908
 909
 910
 911
 912
 913
 914
 915
 916
 917
 918
 919
 920
 921
 922
 923
 924
 925
 926
 927
 928
 929
 930
 931
 932
 933
 934
 935
 936
 937
 938
 939
 940
 941
 942
 943
 944
 945
 946
 947
 948
 949
 950
 951
 952
 953
 954
 955
 956
 957
 958
 959
 960
 961
 962
 963
 964
 965
 966
 967
 968
 969
 970
 971
 972
 973
 974
 975
 976
 977
 978
 979
 980
 981
 982
 983
 984
 985
 986
 987
 988
 989
 990
 991
 992
 993
 994
 995
 996
 997
 998
 999
 1000

3

[illegible]

५४

५५

५६

॥ ५४ ॥
॥ ५५ ॥
॥ ५६ ॥
॥ ५७ ॥
॥ ५८ ॥
॥ ५९ ॥
॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥
॥ ६२ ॥
॥ ६३ ॥
॥ ६४ ॥
॥ ६५ ॥
॥ ६६ ॥
॥ ६७ ॥
॥ ६८ ॥
॥ ६९ ॥
॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥
॥ ७२ ॥
॥ ७३ ॥
॥ ७४ ॥
॥ ७५ ॥
॥ ७६ ॥
॥ ७७ ॥
॥ ७८ ॥
॥ ७९ ॥
॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥
॥ ८२ ॥
॥ ८३ ॥
॥ ८४ ॥
॥ ८५ ॥
॥ ८६ ॥
॥ ८७ ॥
॥ ८८ ॥
॥ ८९ ॥
॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥
॥ ९२ ॥
॥ ९३ ॥
॥ ९४ ॥
॥ ९५ ॥
॥ ९६ ॥
॥ ९७ ॥
॥ ९८ ॥
॥ ९९ ॥
॥ १०० ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading or damage.]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

Figure 1

7561571

13

[illegible]

75



		ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वासुदेवाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥		
---	---	---	---	---

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]



34

[illegible]

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्याय ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां शृणु त्वान्नमस्तुतम् ॥
 पाशं धत्तवानां ह्यहं पापं संपन्नोऽस्मि महात्मने ॥
 इति श्रीभगवद्गीता उपनिषद्सप्तमोऽध्यायः ॥



09

23

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

ལྷན་དུ་བསྐྱོད་པར་གསུང་།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之四

一、政治

[illegible]

[illegible]



22

[illegible]

[illegible]

[illegible]

42

1

[illegible]

22

१५५	१५५	कैलाशचरणपरिचयस्यैवम् ॥ १५५ ॥	१५५	१५५
------------	------------	-------------------------------------	------------	------------

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



一、

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुप्रसन्नचित्तः प्रसीदतु ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥

三 新 版 本

॥

保

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रोत्तमांश्चरित्वात्मना ॥
 गेहलोकं धीमतामभ्युत्थानमवधत् ॥ ४ ॥
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 क्रौञ्चसमवेताः कुरुक्षेत्रे समवेता ॥ ५ ॥
 युयुत्सवः पाण्डुपुत्रोत्तमांश्चरित्वा ॥
 गेहलोकं धीमतामभ्युत्थानमवधत् ॥ ६ ॥
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 क्रौञ्चसमवेताः कुरुक्षेत्रे समवेता ॥ ७ ॥
 युयुत्सवः पाण्डुपुत्रोत्तमांश्चरित्वा ॥
 गेहलोकं धीमतामभ्युत्थानमवधत् ॥ ८ ॥
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 क्रौञ्चसमवेताः कुरुक्षेत्रे समवेता ॥ ९ ॥
 युयुत्सवः पाण्डुपुत्रोत्तमांश्चरित्वा ॥
 गेहलोकं धीमतामभ्युत्थानमवधत् ॥ १० ॥

[illegible]



50

[illegible]

[illegible]

158

[illegible]

[illegible]

198

[illegible]

[illegible]

[illegible]

200

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and poor scan quality.]

[illegible]



170

[illegible]

[illegible]



250

[illegible]

[illegible]



[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1
 2
 3
 4
 5
 6
 7
 8
 9
 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525



170

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



44



75

20

三

100



2

100

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

56 庚

34

[illegible]

THE

[illegible]



1990

三

34

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

150

五

[illegible]

[illegible]

時

[illegible]

[illegible]

॥ १ ॥

॥ २ ॥

॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

2

[illegible]

210

[illegible]

[illegible]



180

85

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



150

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



170

100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

23

[illegible]

[illegible]

新

1980

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]



Figure 1



20



所

12



NOTE

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



90

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः
 मामकाि पांडुपुत्राश्चैव किमकुर्वत सज्जन ॥
 २ ॥ भीमार्जुनसमा यमादिभीमः संज्ञितौ बलवान्मानवौ ॥
 मया द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥ तस्मात्तु त्वमेव प्रथमतः युयुत्सवे वार्यतां
 त्वं शूराग्रस्तथा ह्यर्जुनस्य त्वं प्रहाराद्युद्यतः ॥
 ४ ॥ इति द्रुपद उवाच ॥ ५ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ६ ॥
 ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥



1000

5

[illegible]

[illegible]

100

4051





ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ





五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or damage.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

卷四

[illegible]

[illegible]

四

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्याय ॥
कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां श्रोतुं त्वत्प्रवचनाम्भरा ॥
सर्वज्ञः पराक्रमी धैर्यवान् योगवीर्यशतधा ॥
उलूखिष्यति कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनामह ॥
अथ कुरुक्षेत्रे संभवन् नित्यं बुद्धेर्मात्रयोगिनः ॥
सर्वज्ञश्चात्मविदा सर्वज्ञः स योगो महीधरकृतः ॥
अथ कुरुक्षेत्रे संभवन् नित्यं बुद्धेर्मात्रयोगिनः ॥
सर्वज्ञश्चात्मविदा सर्वज्ञः स योगो महीधरकृतः ॥

[illegible]

[illegible]





॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुमेधस्यै नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



4

[illegible]

張

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

འཕགས་པ་

རང་སྒྲིལ་ཡོ་ཤེས་ཀྱི་དཀྱིལ་ལ་ཁོར་ལ་ཐིམ་པས་གཉིས་སུ་མེད་པར་བསམ་ལ་མ་ཉམ་པར་བཞག་པ་ཉིད་སྒྲིལ་དང་ཕྱི་སྒྲིལ་དང་ཐིམ་པའི་ཁྱོད་དུ་རྟོག་པར་བསམ་སྒྲིལ་བཞག་པ་ཉིད་ཆོས་ཀྱི་
ཡོ་ཤེས་ཀྱི་དཀྱིལ་ལ་ཁོར་དུ་བཞག་པའི་ལུ་རྟེན་པར་བཞེད་པ་ཉིད་སྒྲིལ་པ་ཉིད་དེ་ལྟར་མ་ཉམ་པར་བཞག་པའི་དུས་སུ་ཕྱི་རྟེན་གྱི་པར་ཆད་པའི་ཁྱོད་ཆོས་ལ་མ་ཉམ་པར་བཞག་པའི་
ཕྱིར་བར་ཉིད་ཡོ་ཤེས་ཀྱི་མ་ཐབས་པར་བཞེད་པ་ཉིད་ཆོས་ཀྱི་དཀྱིལ་ལ་ཁོར་དུ་བཞག་པས་བརྟན་པ་ཉིད་སྒྲིལ་པའི་ཁྱོད་དུ་དཀྱིལ་ལ་ཁོར་དུ་བཞག་པའི་ཁྱོད་དུ་ཕྱིར་བར་ཉིད་ཆོས་ཀྱི་མ་ཐབས་
ཀྱི་ལམ་དང་ཉིད་པར་བཞག་པའི་སྒྲིལ་པའི་ལམ་ལ་ཁོར་དུ་བཞག་པའི་ཁྱོད་དུ་ཕྱིར་བར་ཉིད་ཆོས་ཀྱི་དཀྱིལ་ལ་ཁོར་དུ་བཞག་པའི་ཁྱོད་དུ་ཕྱིར་བར་ཉིད་ཆོས་ཀྱི་མ་ཐབས་
དང་ཉིད་པར་བཞག་པའི་སྒྲིལ་པའི་ལམ་ལ་ཁོར་དུ་བཞག་པའི་ཁྱོད་དུ་ཕྱིར་བར་ཉིད་ཆོས་ཀྱི་མ་ཐབས་ཀྱི་ལམ་ལ་ཁོར་དུ་བཞག་པའི་ཁྱོད་དུ་ཕྱིར་བར་ཉིད་ཆོས་ཀྱི་མ་ཐབས་
དེ་ལྟར་བཞག་པའི་སྒྲིལ་པའི་ལམ་ལ་ཁོར་དུ་བཞག་པའི་ཁྱོད་དུ་ཕྱིར་བར་ཉིད་ཆོས་ཀྱི་མ་ཐབས་ཀྱི་ལམ་ལ་ཁོར་དུ་བཞག་པའི་ཁྱོད་དུ་ཕྱིར་བར་ཉིད་ཆོས་ཀྱི་མ་ཐབས་ཀྱི་ལམ་ལ་ཁོར་དུ་བཞག་པའི་ཁྱོད་དུ་ཕྱིར་བར་ཉིད་ཆོས་ཀྱི་མ་ཐབས་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



4

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

24

[illegible]

2025

—

[illegible]

[illegible]

39

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५५ प्रमाण ५५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

5

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷二

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]



BR

3

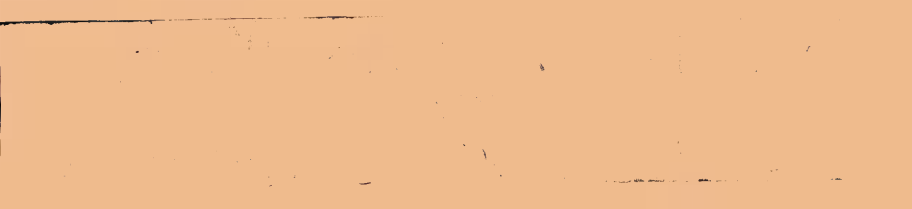


250

[illegible]

五

[illegible]



[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महर्षि ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

15

[illegible]

१७३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

3

24

[illegible]

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

100

[illegible]

五

2019

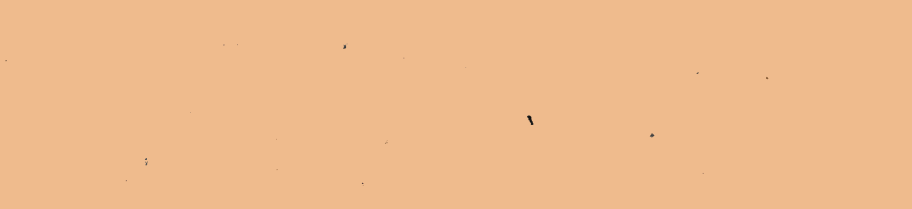


57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दशमस्कन्धोऽष्टमोऽध्यायः ॥ शिवस्य विविदपयः दशमस्कन्धोऽष्टमोऽध्यायः ॥ दशमस्कन्धोऽष्टमोऽध्यायः ॥ दशमस्कन्धोऽष्टमोऽध्यायः ॥ दशमस्कन्धोऽष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दशमस्कन्धोऽष्टमोऽध्यायः ॥ दशमस्कन्धोऽष्टमोऽध्यायः ॥ दशमस्कन्धोऽष्टमोऽध्यायः ॥ दशमस्कन्धोऽष्टमोऽध्यायः ॥ दशमस्कन्धोऽष्टमोऽध्यायः ॥





३०
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता
प्रथमोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

50

4

44

11. **Answer: A**—The passage states that the author is "not a fan of the 'new' music."



